रवीन्द्र केसकर

तुम भी बनाओ

कागज़ मोड़-मोड़कर अभी तक तुमने कई सारे जानवर बनाए हैं। जानवरों की दुनिया से निकलकर इस बार भूतों की दुनिया में चलते हैं और बनाते हैं...

भूतनाथ की नाक

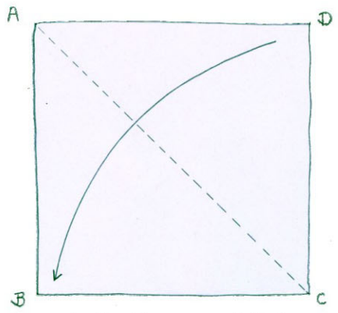

1. नाक बनाने के लिए 12 सेंटीमीटर लम्बा व 12 सेंटीमीटर चौड़ा कागज़ अच्छा रहेगा। कागज़ के चारों कोनों को A, B, C, D नाम दो और D को B से मिलाकर पक्का मोड़ बना लो।

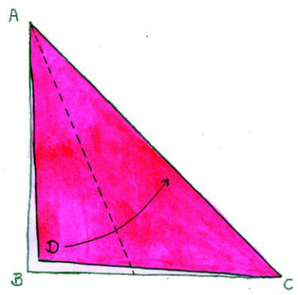

2. D व B को एक साथ चित्र में दिखाए अनुसार मोड़ लो।

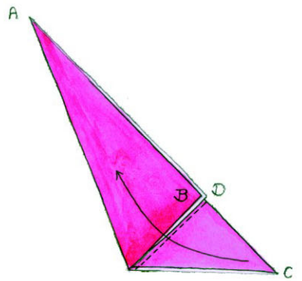

3. C कोने को ऊपर मोड़ लो। ऐसा करने पर एक जेब दिखाई देगी।

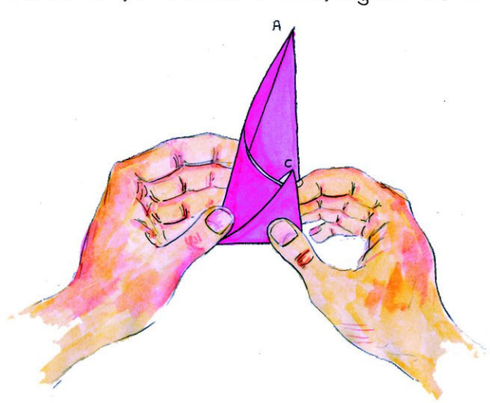

4. अब दोनों कोनों D व B को एक साथ इस जेब के अन्दर डाल लो।

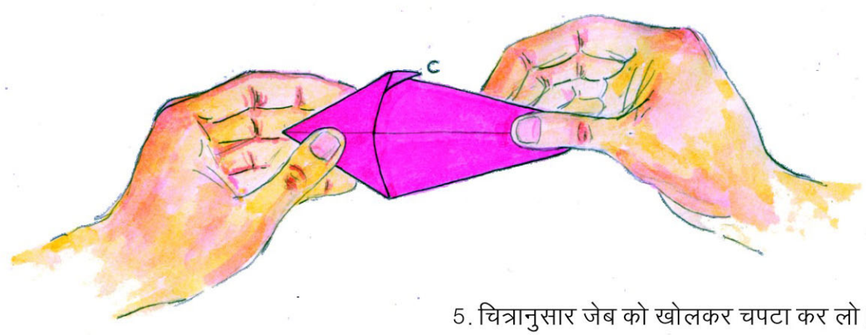

5. चित्रानुसार जेब को खोलकर चपटा कर लो।

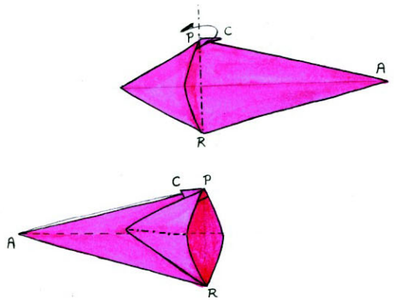

6. A को पीछे की तरफ मोड़कर पहाड़ी मोड़ PR बना लो। अब एक के ऊपर एक दो तिकोन बन गए - एक छोटा व एक बड़ा। छोटे तिकोन के अन्दर बनी जेब को खोल लो और P व R बिन्दुओं को मिला दो।

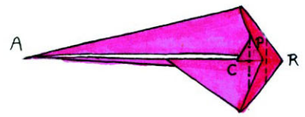

7. चित्रानुसार P व R बिन्दुओं वाले हिस्से को अन्दाज़े से अन्दर की तरफ इतना मोड़ो कि यह तुम्हारी नाक पर फिट हो जाए। यह दोनों मुड़े हुए भाग दो क्लिपों की तरह काम करेंगे और इससे भूतनाथ की नाक तुम्हारी नाक पर फिट रहेगी।

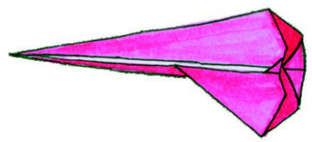

और यही इस नाक की खासियत भी है कि चेहरे को हिलाने-डुलाने पर भी यह गिरती नहीं है।

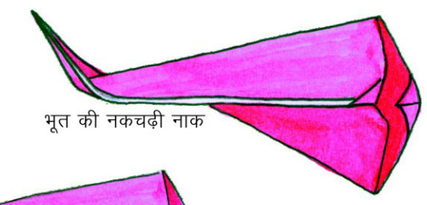

भूत की नकचढ़ी नाक

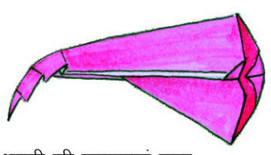

भूतनी की घुमावदार नाक

चित्र - जितेन्द्र ठाकुर

कहते हैं कि भूत के पैर उल्टे होते हैं तो फिर शायद उसकी नाक भी उल्टी होती होगी। इसी नाक को पलटकर पहन लो तो भूत की नाक उल्टी हो जाएगी।

सिर्फ यही नहीं इसमें और बदलाव कर भूतनी की घुमावदार तो भूत की नकचढ़ी नाक भी बना सकते हैं। अब ज़रा सोचकर बताओ कि यदि डबल नाक बनाना हो तो क्या करना होगा?

छू लूँ

फूल रहे थे फूलू
देख के बोला भूलू
क्या मैं तुमको छू लूँ।

प्रभात की दो कविताएँ

फुब्बारा

पिचक गया है गुब्बारा
फुल्लो दीदी दुब्बारा
कर दो इसको फुब्बारा।